

ये अव्यक्त इशारे

कम्बाइण्ड रूप की स्मृति से सदा विजयी बनो

**3-04-2025**

सदा हर कर्म करते हुए अपने को कर्मयोगी आत्मा अनुभव करो। कोई भी कर्म करते हुए याद भूल नहीं सकती। कर्म और योग -दोनों कम्बाइण्ड हो जाएं। जैसे कोई जुड़ी हुई चीज़ को अलग नहीं कर सकता, ऐसे कर्मयोगी बनो।

**Remain constantly victorious with the awareness of the combined form**

While performing every action, always experience yourself to be a karma yogi soul. While performing any action, do not forget to have remembrance. Let karma and action both be combined. Just as something that is combined cannot be separated, in the same way, become a karma yogi.